05/05/2015; Issue 041 ₹ 1

पं ग वा ड़ी मा सि क प त्रि का

तुबारि

www.pangi.in

पंगवाड़ी भाषा विकास वेबसाईट
पंगवाड़ी, हिन्दी त अंग्रेजी टाई भाषा अन्तर असी।

तुबारि संपादकीय टीम

♦अस इ उम्मिद करुं लगो से कि एण बाड़े दिन अन्तर सुआ मेहणु इस कम अन्तर सहयोग कते।

♦इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगि घाटि अन्तर पढ़ूं जे इ पत्रिका शुरु किओ सि।

♦तुबारि यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦तुबारि पत्रिका कोइ मेहणु, जनजाति, त संस्कृति गल्ति कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोइ ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेह्ले सोभ आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेहणु हरालो असे। इ त खुलि बोक असि कि पेह्लि बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलति बि भुन्ति। अगर कोइ लिखणे गलति असि त असि जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेहणु के मदद ना मिएल त तुबारि पत्रिका कदि बि बंद भुई सकति।

♦कोइ चिज छपां सि या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार राखे ठेके भैड़ हरिरामे दुकान अन्तर तुबारि ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असि।

♦अस सोभि पांगि मेहणु जे हात जोड़ कई निवेदन कते कि, तुस बि कोइ अछा अर्टिक्ल, पुराणि या नौइं कथा, कहावत, कविता, त नौवे घीत (पागवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हेंन्नदे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम
9418431531
9418429574
9418329200
9418411199
9418411599

अलग-अलग असे, पर खरे असे cont...

मड़दे सोच यक डबुढ़ू इ भुन्ती: मड़द यक डबुढ़ू इ सोचते। अपु गी भोल त जदा सोच गीहे कम, अपु जुएली त गभुरु बारे भुन्ती-सिर्फ गीहे बारे; कम अन्तर भोल त पूरी सोच कमेरी भुन्ती-सिर्फ कमे बारे; सफर अन्तर भोल त जदा सोच सफरे बारे, मउं की झठ घेण? होरि केंआ की अगरीण?-सिर्फ सफरे बारे; अपु दोस्ती जोइ बोकि लगो भोल त जदा सोच क्रिकट, राजनीति..... बारे- सिर्फ दोस्ती के बोकि बारे।

जदा टेम मड़दे सोच इहाड़ि भुन्ती। इ असूल नेई पर इस अन्तर थोड़ा बदलाब भोइ सकता। मड़द, जदा समझदार (rational), तर्कसंगत (logic), त यक टेम अन्तर यके चीजे कना सुआ ध्यान भुन्ता, त यक चीज अन्तर सुआ गहराई जोइ सोचता।

होर कना, जिल्हणु सोच यक गरोड़े जाले इ भुन्ती। डबुढ़ू इ ना भुन्ती। जिल्हणु अन्तर सुआ लम्मी-चौड़ी सोचणे तागत असी। यक टेम अन्तर सुआ कना सोचती त सोभि सोचे यक जोड़ बणता। मड़दे ईं यक चीज या समस्या केंआ होरी चीज या समस्या अलग ना कती। पर किछ बी भेड़ भुण लगो असु, सोभि कठु कर कइ सोचती। से कम अन्तर कम करणे टेम बी अपु टबरा, सहेली, खरीददारी, धणि बोक, राण-रणी बोक.....सोब किछ बारे घड़ी-घड़ी सोच सकती।

अ बुरी खबर ना भो, पर बढ़िया खबर भो। किस कि अलग-अलग तरीके जोइ इस दुनिये हेर सकते; धणि- जुएली सोच अलग-अलग असी; अलग-अलग आशा; यक समस्या अलग-अलग हल कते। तउं यक होरी बदलणे कोशिश ना करे। पर अस अलग-अलग असे, समझणे कोशिश करे। समस्याई अलग-अलग हल कढ़णे बवजूद बी असी यकि-होरी तरीफ करीण। इ करीयेल त अस यक तन-मन बड़ते।

नॉनी कथा

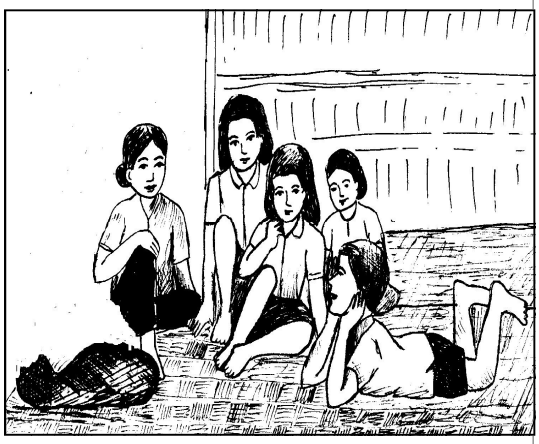

शुणे-शुणे अउं तुसी यक कथा शुणांती। नॉनी अपु भट-भणेजू कथा शुणा लगी। यक बोडू ग्रां थियू। तठि हर सुख-सुविधा थी। ग्रां बाड़े सोब खुश थिए। तेस ग्रां दुई दोस्त थिए। तन्हि नउ थियू, रामनाथ त श्यामनाथ। रामनाथ सुआ बोडा व्यापारी थिआ। पर श्यामनाथ गरीब थिआ। तसे छोटा इ व्यापार थिआ। रामनाथ पैसा सुआ कमाताथ, पर खर्च ना कताथ। मेहणु बोकि-बोकि रामनाथ जे कंजूस बोतेथ। कसे-कसे मामले अन्तर त बिल्कुल मक्खीचूस थिआ। कपले बी कसेरी मदत ना कताथ। ना कदि घुमण-फिरण जे घेन्ताथ। जतू बी से कमाताथ सोब जोड़ी-जोड़ी रखताथ। रामनाथ बोताथ कि पैसा सुआ कमे, पर व्यर्थ खर्च ना करण। से सोचता रेहन्ताथ कि पैसा कीं ऐइयाल। झठ-झठ मउं केई सुआ पैसा कोठिया एईयाल। घड़ी-घड़ी अपु गभूरु जे बोताथ, तसे जीण व्यर्थ असु जस केईं पैसा नेई। रुपेइ-पैसे बइ दुनिये अन्तर सोब कम भुन्ते। जे गरीब असे, तन्हि रोज कष्ट भुन्ता। तउं त अउं बोता धन-दौलत सुआ कमा तउं जिन्दगी अन्तर कोइ कष्ट ना ऐन्ता।" रामनाथ जुएली त गभुरु तसे कंजूसी हेर सुआ दुखी थिए। तसे मर्जी खिलाफ से यक पैसा बी खर्च ना कइ सकतेथ। रोज सोचतेथ कि लाभ ईं अस पैसे, जस अस अपु मर्जी खर्च बी ना सकते। सुआ लिंगि से बचरे पैसे मगते पर बेकार रामनाथ तन्के धे खर्चण जे यक पैसा बी ना देन्ताथ। से सोब सोचतेथ कि फाइदा ईं अस पैसे, ना असी कदि सुसर लऊ त ना असी कदि सुसर खऊ। रामनाथ अपु दोस्त श्यामनाथ बी समझाता, कम ऐन्ता बस पैसा। अगर कस केइ पैसा असा त सोब मेहणु तें बणते। अगर पैसा नेइ त कोइ सात ना देन्ता।

श्यामनाथ पुठ तसे बोकि के कोइ असर ना भुन्ताथ। थोड़ा कमुणे बबजूद बी से त तसे परिवार सुख-शंति त हसता-खेलता रेहंताथ। बस रोज ईश्वरे धन्यवाद कताथ 'तेईं सुआ दतो असु। अउं हमेशा ते ऋणी असा जे उपकार तेईं मउं पुठ कियो असा।' थोड़े अन्तर बी सुआ खुश थिआ, पर चिन्ता कदि ना कताथ। सुआ फर्क थिआ तन्हि दुहि अन्तर। पर फिर बी दुहे सच्चे दोस्त थिए। सोच अलग, व्यापार अलग, विचार अलग पर फिर बी दुहि अन्तर कदि लडाई-झगड़ा ना भुआ। श्यामनाथ व्यापार मठड़ सही, पर थोडु मतू किछ बि बच घेन्तूथ त सुआ खुश भोइ घेन्ताथ। तसे जुएली-गभुरु, यार-दोस्त, रिश्तेदार सोब खुश थिए, पैसा घट कमुंता पर प्यार जदा असा। श्यामनाथ जुएली बोती 'सच्चे स्वर्ग केंआ बी अबल असु हें गी। भगवान अगले जन्म बी इहणि कृपा करीण। श्यामनाथ जीणे तरीका सधारण थिआ, पर प्रेम जोइ भरीए थिआ। अपेपु बी खुश त होरी खुश रखताथ। आमदनी भले ही कम थी पर परवाह ना मारताथ। कमाई भले इ कम थी पर कदि बुरा काम ना किया त कसे चीजी लालच ना कीं। मेहनत कर कइ जतू बी कमाताथ, मजे जोइ तसे खर्चा चलताथ। घुमण फिरुण त दान पुण्य बी कताथ। हर दुखिया मेहणु के दुख बंटताथ। व्यर्थ चिन्ता ना कताथ।

यक लिंगि यक संत बाबा तेन्के ग्रां आ। दुहि दोस्ती सोचु संत बाबा दशर्न कते। दुहे संत बाबा केईं पुजे त बाबा खुर बंने। तन्हि हेर कइ संत बाबा तन्के मन अन्तर की असु, बीझ गा। बाबे तन्हि जे बोलु कीं कष्ट असा त बोलीं दिए। न ता अपु गी घेइ कइ भगवाने नउ निए। श्यामनाथ बोलु 'बाबा जी! आशीर्वाद दिए, भगवाने दतो सुआ किछ असु पर सद्बुधि लोती रेहो।' रामनाथे बोलु कृपा कर भगवान अति दौलत लोती मेओ कि अउं बोडा धनवान लोता बड़ो। तउं संत बाबे बोलु 'शुण बेटा, धने लालच इस दुनिये अन्तर सुआ बोडी बीमारी असी। भाग्य केंआ जदा त बक्त केंआ पहले किछ ना मेतू। जे जसे योग्य असा, भगवान तसे धे ततूरु देन्ता।' संत बाबे बोक शुण कइ रामनाथ सोचण लगा सुआ पैसे लालच अन्तर इ ना भो कि पछताण पड़े। सुआ पैसे लालच ना करण जतू भु तथ अन्तर सबर करण शिचण। सुआ पैसे लालच अन्तर इन्सान भटक घेन्ता।

अति कथा शुणाइ कइ नॉनी बोलुण लगी, 'बसे गभुरो, उघं ऐण लगी, अब उंघते।

कुछ खास खबर

- लगातार मौसम खराब भुणे बजई जुऐई रौड बन असि त मेहणु पैंगेई कैआ बेहर घेण जे सुआ मुश्किल भुण लगो असि।
- बेमौसमी डग शीणे बजई जुऔई पैंगेई चिरी त सिआउए फसल फुकी गई।

.स्कूल मैडम गभुरु केआ पुछण लगो असी... बबीता

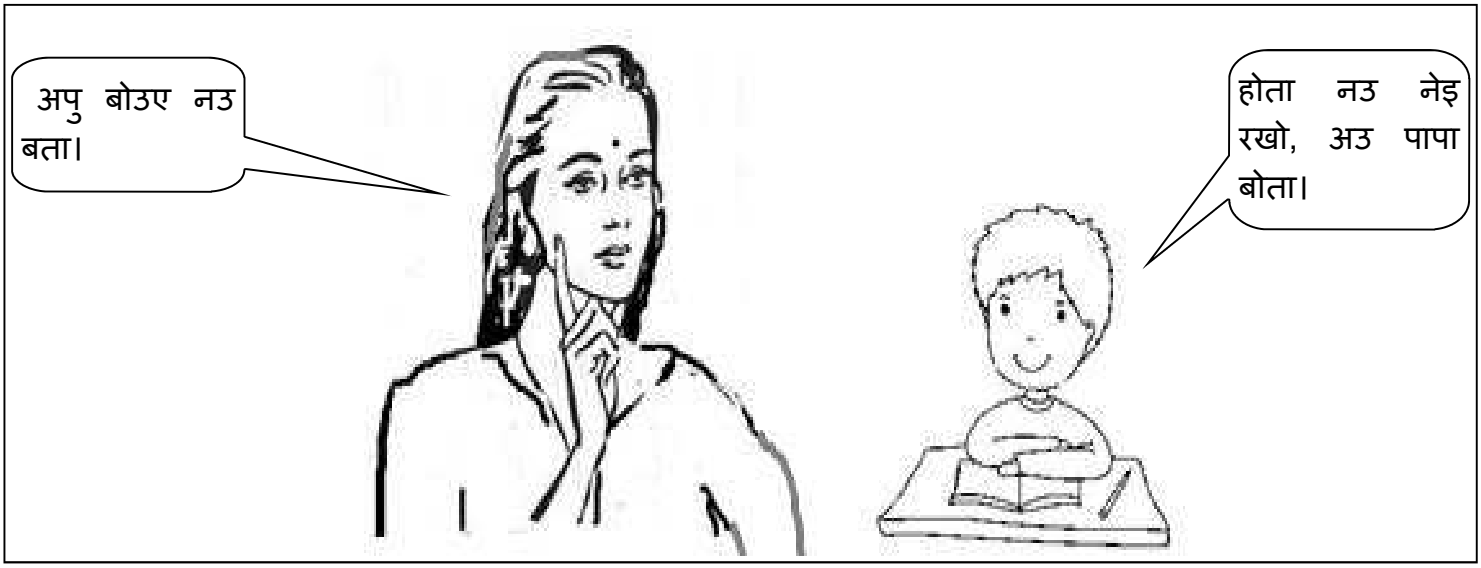

ADVERTISEMENT/ BEST WISHES FOR MARRIAGES, BIRTHDAYS, RETIREMENTS Etc. Please 9418429574

एड़स बीमारी इन्सान जोइ यक लिंगि सम्बन्ध बणाणे बोलि कसे बी एड़स एइ घेन्ता।... कॉंडोम सिर्फ 18% सुरक्षा कता।... एड़स मेहणु के जिसम अन्तर कम से कम 7 केआ 10 साल तकर कोइ लक्ष्ण नजर न ऐन्ते.....ऐणे बाडी तुबारि अन्तर ।